हिन्दुस्तान
04 कानपुर • शनिवार • 13 नवंबर 2021

खेती से महिलाएं बनें आत्मनिर्भर

कानपुर। सीएसए में महिला सशक्तिकरण पर चल रही पांच दिवसीय कार्यशाला का समापन हो गया। कार्यक्रम में प्रसार निदेशालय के समन्वयक डॉ. धनंजय सिंह ने कहा कि महिलाएं घर के आसपास व्यावसायिक खेती कर आत्मनिर्भर बन सकती हैं। डॉ. सुभाष चंद्रा, डॉ. जितेंद्र सिंह, डॉ. एसबी पाल, डॉ. खलील खान आदि रहे।

Sign in to edit and save changes to this file.

आज महानगर 11

महिलाओं को प्रमाणपत्र व प्रशिक्षण किट बांटी

महिला सशक्तिकरण प्रशिक्षण का समापन हुआ

कानपुर, 12 नवम्बर। चन्द्रशेखर आजाद कृषि एवं प्रौद्योगिक विश्वविद्यालय, कानपुर के प्रसार निदेशालय द्वारा जनपद प्रयागराज, प्रतापगढ़ , कौशाम्बी, फतेहपुर एवं अलीगढ़ जनपदों की 35 महिलाओं को आत्मनिर्भर एवं स्वावलंबी बनाने के उद्देश्य से महिला सशक्तिकरण विषय पर पांच दिवसीय प्रशिक्षण कार्यक्रम का समापन हुआ। समापन समारोह में मुख्य अतिथि डा.धनंजय सिंह, विशिष्ट अतिथि, डा. ए.के.सचान ने सभी प्रतिभागियों को प्रमाण पत्र एवं प्रशिक्षण किट वितरित किये। क ार्यक्रम संयोजक, डा.एस.बी.पाल ने महिलाओं को आत्मनिर्भर एवं स्वावलंबी बनाने हेतु तैयार विशेष कार्यक्रम के अनुसार पोषकीय /औषधीय गृह वाटिका प्रबंधन, सब्जी की व्यवसायिक खेती, संरक्षित फल एवं सब्जी पौध उत्पादन, जैविक खाद (वर्मी /नाडेप कम्पोस्ट) उत्पादन तकनीक मशरूम उत्पादन, दाल , सब्जी एवं फल प्रसंस्करण एवं बाजार प्रबंधन,बीज उत्पादन तकनीक, मधुमक्खी पालन,पुष्प व फल उत्पादन तकनीक तथा एकीकृत फसल प्रणाली प्रबंधन तकनीक पर विश्वविद्यालय एवं आई सी ए आर के वरिष्ठतम वैज्ञानिकों/विशेषज्ञों ने तकनीकी जानकारी दी गई।

दैनिक जागरण 10
कानपुर, 13 नवंबर, 2021

प्रशिक्षण में मिली जानकारी से उद्यमिता को दें बढ़ावा

जासं, कानपुर : चंद्रशेखर आजाद कृषि एवं प्रौद्योगिक विवि में आठ से 12 नवंबर तक चले महिला सशक्तिकरण प्रशिक्षण कार्यक्रम का शुक्रवार को समापन हो गया। विशेषज्ञों ने प्रयागराज, प्रतापगढ़, कौशांबी, फतेहपुर व अलीगढ़ जिलों से आईं 35 महिलाओं को आत्मनिर्भर व स्वावलंबी बनने के गुर सिखाए। कहा कि प्रशिक्षण में मिली जानकारी से कृषि उद्यमिता को बढ़ावा दें।

समारोह में मुख्य अतिथि प्रसार निदेशालय के प्राध्यापक डा. धनंजय सिंह व विशिष्ट अतिथि लखनऊ के समन्वयक डा. एके सचान रहे।

हिन्दुस्थान समाचार
589k फॉलोवर्स
फॉलो

महिला सशक्तिकरण प्रशिक्षण में महिलाओं ने सीखा आत्मनिर्भरता के गुर

12 Nov 21 . 5:12 PM

- कृषि विश्वविद्यालय में आयोजित पांच दिवसीय प्रशिक्षण का हुआ समापन

कानपुर, 12 नवम्बर (हि.स.)। कृषि के क्षेत्र में महिलाओं के लिए अपार संभावनाएं हैं, जरुरत है कि तकनीक के साथ आगे बढ़ें।

तकनीक के जरिये छोटे-छोटे उद्योग महिलाएं स्थापित कर सकती हैं और आत्मनिर्भर भी बन सकती हैं। इसी उद्देश्य के साथ कृषि विश्वविद्यालय में पांच दिवसीय महिला सशक्तिकरण का पांच दिवसीय प्रशिक्षण हुआ, जहां पर आत्मनिर्भरता के लिए वैज्ञानिकों द्वारा तरह-तरह की जानकारी दी गई।

चन्द्रशेखर आजाद कृषि एवं प्रौद्योगिक विश्वविद्यालय के प्रसार निदेशालय द्वारा जनपद प्रयागराज, प्रतापगढ़, कौशाम्बी, फतेहपुर एवं अलीगढ़ जनपदों की 35 महिलाओं को आत्मनिर्भर एवं स्वावलंबी बनाने के उद्देश्य से महिला सशक्तिकरण विषय पर पांच दिवसीय प्रशिक्षण कार्यक्रम आयोजित किया गया। शुक्रवार को समापन समारोह में मुख्य अतिथि प्रसार निदेशालय के समन्वक डा.धनंजय सिंह, रहमान खेड़ा लखनऊ के समन्वय डा. ए.के.सचान द्वारा प्रमाण पत्र एवं प्रशिक्षण किट वितरित किया गया। मुख्य अतिथि ने कहा कि सफल प्रशिक्षण लेने के उपरांत आप सभी अपने इच्छानुसार रोजगार स्थापित कर सुदृढ़ एवं सशक्त बने तभी प्रदेश एवं देश खुशहाल होगा। आप सभी अपने-अपने जनपद के कृषि विज्ञान केन्द्र से सम्पर्क बनायें जिससे तकनीकी जानकारी प्राप्त हो सकेगी। महिलाओं को आत्मनिर्भर एवं स्वावलंबी बनाने के लिए तैयार विशेष कार्यक्रम के अनुसार पोषकीय/औषधीय गृह वाटिका प्रबंधन सब्जी की व्यवसायिक खेती, संरक्षित फल एवं सब्जी पौध उत्पादन, जैविक खाद (वर्मी /नाडेप कम्पोस्ट) उत्पादन तकनीक मशरूम उत्पादन, दाल, सब्जी एवं फल प्रसंस्करण एवं बाजार प्रबंधन, बीज उत्पादन तकनीक, मधुमक्खी पालन, पुष्प व फल उत्पादन तकनीक तथा एकीकृत फसल प्रणाली प्रबंधन तकनीक पर विश्वविद्यालय एवं आईसीएआर के वरिष्ठतम वैज्ञानिकों/विशेषज्ञों ने तकनीकी जानकारी दी गई। इस अवसर पर प्रशिक्षण प्राप्त कर रही महिलाओं ने बताया कि प्रशिक्षण बहुत ही सरल एवं रोचक तरीके से दिया गया है। जिसे हम लोग आसानी से समझ सके हैं और जो प्रशिक्षण दिया गया है उसे हम आत्मनिर्भर बनने के लिए कृषि उद्यम अवश्य स्थापित करेंगे। इस दौरान डा. सुभाष चन्द्रा, डा. जितेन्द्र सिंह, डा. एस.बी.पाल, डा.ए.के.सिंह, डा. सोहन लाल वर्मा एवं डा.खलील खान उपस्थित रहें।

हिन्दुस्थान समाचार/अजय

Sign in to edit and save changes to this file.

देश-विदेश | लखनऊ और देहरादून से प्रकाशित राष्ट्रीय हिंदी दैनिक | उत्तर प्रदेश
गौतम अडाणी की नेटवर्थ 81 अरब डॉलर... 12
03

जन एक्सप्रेस

www.janexpresslive.com/epaper
13 नवंबर, 2021

पांच दिवसीय प्रशिक्षण कार्यक्रम का समापन

कानपुर नगर। चन्द्र शेखर आजाद कृषि एवं प्रौद्योगिक विश्वविद्यालय के प्रसार निदेशालय द्वारा प्रयागराज, प्रतापगढ़ , कौशाम्बी, फतेहपुर और अलीगढ़ जनपदों की 35 महिलाओं को आत्मनिर्भर एवं स्वावलंबी बनाने के उद्देश्य से महिला सशक्तिकरण विषय पर चल रहे पांच दिवसीय प्रशिक्षण कार्यक्रम का समापन शक्रवार को हुआ। जिसमें मुख्य अतिथि डॉ. धनंजय सिंह, विशिष्ट अतिथि, डॉ. ए. के. सचान द्वारा प्रमाण पत्र एवं प्रशिक्षण किट का वितरण किया गया। इस अवसर पर मुख्य अतिथि ने कहा कि आप सभी अपनी इच्छा अनुसार रोजगार स्थापित कर सुदृढ़ एवं सशक्त बने तभी प्रदेश एवं देश खुशहाल होगा। उन्होंने महिलाओं को अपने जनपद के कृषि विज्ञान केन्द्र से सम्पर्क बनाए रखने की सलाह दी जिससे उन्हें तकनीकी जानकारी प्राप्त हो सके। कार्यक्रम संयोजक डॉ. एस. बी. पाल ने महिलाओं को आत्मनिर्भर एवं स्वावलंबी बनाने के लिए तैयार विशेष कार्यक्रम के अनुसार पोषकीय /औषधीय गृह वाटिका प्रबंधन, सब्जी की व्यवसायिक खेती, संरक्षित फल और सब्जी पौध उत्पादन, जैविक खाद उत्पादन तकनीक मशरूम उत्पादन, दाल , सब्जी एवं फल प्रसंस्करण एवं बाजार प्रबंधन ,बीज उत्पादन तकनीक, मधुमक्खी पालन, पुष्प व फल उत्पादन तकनीक तथा एकीकृत फसल प्रणाली प्रबंधन तकनीक की जानकारी दी। विश्वविद्यालय एवं आई सी ए आर के वरिष्ठतम वैज्ञानिकों और विशेषज्ञों ने तकनीकी जानकारी दी। उक्त अवसर पर डा. सुभाष चन्द्रा, सह निदेशक प्रसार, डा. जितेन्द्र सिंह, प्राध्यापक, डा. एस.बी. पाल , डा. ए. के. सिंह , डा. सोहन लाल वर्मा एवं डा. खलील खान उपस्थित रहे।